**मध्य प्रदेश में निजी क्षेत्र द्वारा पन विद्युत परियोजनाओं का पूरा किया जाना**

2734. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश सरकार द्वारापन विद्युत परियोजनाओं को निजी क्षेत्र की इकाइयों से पूरा करवाने के लिए भेजे गए प्रस्तावों की संख्या कितनी है ;

(ख) केन्द्र सरकार द्वारा अभी तक स्वीकृत किए गए प्रस्तावों की संख्या कितनी है जिन्हें अभी स्वीकृति दी जानी है;

(ग) प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान किए जाने में हो रहे विलम्ब के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या अनिवासी भारतीयों ने इस सम्बन्ध में सरकार को कोई प्रस्ताव भेजे हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है तथा क्या उन प्रस्तावों को स्वीकृति देने के लिए कोई विशेष कदम उठाए जा रहे हैं ?

**विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू)** : (क) मध्य प्रदेश सरकार द्वारा निजी क्षेत्र की कम्पनियों को निम्नलिखित जल विद्युत परियोजनाओं का क्रियान्वयन सौंपा गया है :—

(1) महेश्वर जल विद्युत परियोजना (10×40 मे० वा०)

(2) तवा जल विद्युत परियोजना (2×6 मे० वा०)

(ख) महेश्वर जल विद्युत परियोजना को नवम्बर, 1993 में कुछ शर्तों के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है । तवा जल विद्युत परियोजना के लिए स्वीकृति पर विचार प्रवर्तकों द्वारा केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद किया जायेगा ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) जी, नहीं ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

**उत्तर प्रदेश में बिजली की प्रति व्यक्ति खपत**

2735. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 30 जून, 1993 की स्थिति के अनुसार प्रत्येक राज्य में, विशेषत: उत्तर प्रदेश में, प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति बिजली की खपत कितनी थी ;

(ख) उत्तर प्रदेश में बिजली की खपत की तुलना में इसकी कम आपूर्ति के क्या कारण हैं , और

(ग) सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय स्तर के समनुरूप लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं / उठाए जाने का विचार है ?

**विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू)** : (क) वर्ष 1992–93 के दौरान विद्युत का राज्य-वार प्रति व्यक्ति खपत सम्बन्धी ब्यौरा-विवरण में दिया गया है **(नीचे देखिए)** वर्ष 1993–94 के लिए इसी प्रकार की सूचना जिसमें जून 30, 1993 भी शामिल है, अभी तक सकलित नहीं की गई है ।

(ख) उत्तर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की वास्तविक स्थिति निम्नलिखित है :—

| | अवधि अप्रैल, 1993–जनवरी 1994 (आंकड़े मि0 यू0 निवल में) |
|---|---|
| आवश्यकता . | 27785 |
| उपलब्धता . | 25014 |
| कमी . . | 2771 |
| प्रतिशतता . | 10.6 |

उत्तर प्रदेश मे विद्युत की कमी का मुख्य कारण विद्युत की मांग का उसकी उपलब्धता से अधिक होना है ।

(ग) उत्तर प्रदेश में विद्युत की उपलब्धता मे सुधार करने हेतु किए जा रहे विभिन्न उपायों में से शामिल हैं :— विद्यमान विद्युत क्षमता से विद्युत का इष्टतम उत्पादन करना, नवीकरण एव आधुनिकीकरण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना, पारेषण एवं वितरण हानियों की मात्रा कम करना, प्रभावी भार प्रबन्धन और ऊर्जा सवर्धन उपाय करना और पड़ौसी राज्यों और क्षेत्र से सहायता उपलब्ध कराना आदि ।

**विवरण**

**1992–93 के दौरान विद्युत का राज्यवार, प्रति व्यक्ति खपत (यूटिलिटिग और गैर-यटिलिटिग)**

(कि०वा०आ० में)

| क्षेत्र/राज्य का नाम | 1992–93 |
|---|---|
| 1 | 2 |
| **उत्तरी क्षेत्र :** | |
| हरियाणा | 506.68 |
| हिमाचल प्रदेश | 207.33 |
| जम्मू एवं कश्मीर | 186.40 |
| पंजाब | 680.56 |
| राजस्थान | 247.36 |
| उत्तर प्रदेश | 178.93 |
| चण्डीगढ़ | 707.24 |
| दिल्ली | 823.91 |
| उप जोड़ : | 282.44 |
| **पश्चिमी क्षेत्र** | |
| गजरात | 525.11 |
| मध्य प्रदेश | 278.44 |
| महाराष्ट्र | 444.01 |
| गोवा | 545.12 |
| दमन और दीव | 1014.70 |
| दादर एव नागर हवेली | 1172.93 |
| उप जोड़ | 404.83 |
| **दक्षिणी क्षेत्र** | |
| आन्ध्र प्रदेश | 304.50 |
| कर्नाटक | 304.89 |
| केरल | 194.41 |
| तमिलनाडु | 365.56 |
| पाण्डिचेरी | 855.06 |
| लक्षद्वीप | 182.80 |
| उप जोड़ : | 307.76 |
| **पूर्वी क्षेत्र :** | |
| बिहार | 112.29 |
| उड़ीसा | 286.04 |
| ० बौल | 157.75 |
| अण्डेमान निकोवार द्वीप समूह | 159.72 |
| सिक्किम | 113.93 |
| उप जोड़ | 158.25 |

**उत्तर-पूर्वी क्षेत्र :**

| | |
|---|---|
| असम . . | 90.91 |
| मणिपुर . . | 105.04 |
| मेघालय . . | 127.78 |
| नागालैण्ड . . | 72.85 |
| त्रिपुरा . | 58.52 |
| अरुणाचल प्रदेश . | 66.67 |
| मिजोरम . . | 71.53 |
| उप जोड़ : | 89.15 |
| जोड़ (अखिल भारत) . | 281.48 |

**नाथपा झाकरी परियोजना**

2736. **श्री अजीत जोगी :**
**श्री शिव प्रताप मिश्र :**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नाथपा झाकरी परियोजना पर कार्य शुरु हो गया है ;

(ख) क्या पानी के बंटवारे के सम्बन्ध में कोई अन्तर्राज्यीय विवाद है ;

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ;

(घ) सरकार ने विवाद को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए हैं ; और

(ङ) क्या राजस्थान को पानी का समुचित हिस्सा आबंटित किए जाने का विचार है ?

**विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू)** : (क) नाथपा झाकरी जल विद्युत परियोजना (6×250= 1500 मे०वा०) एक निर्माणाधीन स्कीम है और इसे 4337.75 करोड़ रुपये की संशोधित लागत पर जून, 1993 में स्वीकृति प्रदान की गई है । परियोजन' को दिसम्बर, 1998 तक चालू किए जाने का कार्यक्रम है ।

(ख) से (ङ) नाथपा झाकरी जल विद्युत परियोजना में विद्युत उत्पादन के लिए सतलुज नदी के जल की रन-ऑफ-रिवर विकास स्वरूप में समुपयोजन किए जाने की परिकल्पना की गई है इस में नदी जल की मौसमी भण्डारण करने की आवश्यकत नहीं है । जल बंटवारे के सम्बन्ध में कोई अन्तर्राज्यीय विवाद नहीं है ।

**दामोदर घाटी निगम अधिनियम, 1948 में संशोधनों की मांग**

2737. **श्री अजीत जोगी :**
**श्री मूलचन्द मीणा :**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुछ राज्य सरकारों ने केन्द्र सरकार से दामोदर घाटी निगम अधिनियम, 1948 में कुछ संशोधन करने का अनुरोध किया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

**विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू)** : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

**विद्युत वित्त निगम द्वारा विद्युत परियोजनाओं का वित्त पोषण**

2738. **श्री अजीत जोगी :**
**श्री मूलचन्द मीणा :**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विद्युत वित्त निगम द्वारा विद्युत परियोजनाओं का वित्त पोषण करने के लिए क्या मानदण्ड अपनाये गए हैं ;